

साप्ताहिक विच्छेदित पाठ्यक्रम 2023-24					
CLASS - 9 SUBJECT - MATHS					
माह	सप्ताह	पाठ का	पाठ के उपस्थिति	कालांश	अधिगम प्रतिफल
June 2023	तीसरा चौथा पांचवां	संख्या पद्धति	परिचय अपरिमेय संख्या वास्तविक संख्याएँ और उनके दशमलव प्रसार संख्या रेखा पर वास्तविक संख्याओं का निरूपण वास्तविक संख्याओं पर संक्रियाएँ वास्तविक संख्याओं के लिए धातांक नियम पुनरावृत्ति	2 3 4 2 3 3 2	वास्तविक संख्याओं के प्राकृत संख्या, पूर्ण संख्या, पूर्णांक, परिमेय संख्या एवं अपरिमेय संख्याओं में वर्गीकृत करता है। परिमेय संख्या और अपरिमेय संख्या के गुणों का अध्ययन करते हुए तार्किक तर्क का उपयोग करके सिद्ध करता है कि दी गई संख्या परिमेय या अपरिमेय है। संख्या रेखा पर वास्तविक संख्याओं को प्रदर्शित करता है।
July	दूसरा			18	
August	दूसरा तीसरा	बहुपद	2.1 परिचय 2.2 एक चर वाले बहुपद 2.3 बहुपद के शून्यक 2.4 शेषफल प्रमेय 2.5 बहुपदों के गुणनखंड 2.6 बिजीय सर्वसमिकाएँ पुनरावृत्ति	1 2 3 3 4 5 1	दिए गए व्यंजक में चर तथा अचर को पहचानता है। दिए गए बिजीय व्यंजक के बहुपद होने की शर्त को समझता है और बहुपद की पहचान करता है। बहुपद के पद के गुणांकों, पदों के घात को समझता है एवं बहुपद को घात एवं पदों के संदर्भ में वर्गीकृत करता है। बहुपद के मान और शून्यकों को ज्ञात करता है। बहुपद के शून्यक का उपयोग गुणनखंड के लिए करता है तथा बहुपद के मान का उपयोग शेषफल ज्ञात करने के लिए करता है। एक बहुपद को दूसरे बहुपद से भाग देकर, भागफल एवं शेषफल ज्ञात करता है। बिजीय सर्वसमिकाओं का उपयोग गुणनखंड के लिए करता है साथ ही इनका प्रयोग संख्याओं के गुणनफल इत्यादि के लिए करता है।
	कुल			19	
August	चौथा	विरेशांक ज्यामिति	3.1 परिचय 3.2 कार्तीय पद्धति 3.3 तल में एक बिन्दु आलेखित करना जबकि इसके निर्देशांक दिए हुए हों। 3.4 पुनरावृत्ति	1 2 1 1	संख्या रेखा की अवधारणा से कार्तीय पद्धति को समझता है। एक कार्तीय समतल में दिए गए बिन्दु की स्थिति को ज्ञात करता है। साथ ही यह भी बता पाता है कि दिया गया बिन्दु किस चतुर्थांश में किस पर स्थित है।
	कुल			5	
September	पांचवां पहला दूसरा	दो चरों वाले ऐक्षिक समीकरण	4.1 परिचय 4.2 ऐक्षिक समीकरण 4.3 ऐक्षिक समीकरण का हल 4.4 दो चरों वाले ऐक्षिक समीकरण का आलेख 4.5 X अक्ष और Y अक्ष के समानांतर रेखाओं के समीकरण 4.6 पुनरावृत्ति	1 1 1 2 1 1	दो चर वाले ऐक्षिक समीकरण का पहचानता है। दो चर वाले ऐक्षिक समीकरण का आलेख जीवता है। X अक्ष और Y अक्ष के समीकरणों को समझते हैं एवं इन अक्षों के समानांतर रेखाओं को जीवते हैं।
	कुल			7	
September	दूसरा	यूक्लिड ज्यामिति का परिचय	5.1 परिचय 5.2 यूक्लिड की परिभाषाएँ अभिगृहीत और अभिधारणाएँ 5.3 यूक्लिड की पांचवीं अभिधारणा के समतुल्य रूपांतरण 5.4 पुनरावृत्ति	1 1 1 1	बिन्दु, रेखा, पृष्ठ, पृष्ठ के किनारे, समतल पृष्ठ की अभिधारणाओं को समझता है। यूक्लिड की सभी अभिधारणाओं एवं अभिगृहितों को समझता है।
	कुल			4	

September	तीसरा चौथा	रेखाएँ एवं कोण	6.1 परिचय 6.2 आधारभूत पद और परिभाषाएँ 6.3 प्रतिच्छेदी रेखाएँ और अप्रतिच्छेदी रेखाएँ 6.4 कोणों के युग्म 6.5 समानांतर रेखाएँ और तिर्यक रेखाएँ 6.6 एक ही रेखा के समानांतर रेखाएँ 6.7 त्रिभुज के कोण योग गुण 6.8 पुनरावृति	1 4 1 2 5 1	रेखा, रेखाखंड, कोण, कोण के शीर्ष, कोण की भुजाओं को समझता है। विभिन्न प्रकार के कोणों को समझता है। समानांतर रेखाओं के लिए संगत कोण, एकांतर कोण, तिर्यक रेखा के एक ओर के कोणों के योग को समझता है। त्रिभुज के तीनों अंतः कोणों का योग, बहिष्कोण को समझता है एवं उनका उपयोग करता है।
कुल				11	
September	पांचवा	त्रिभुज	7.1 परिचय 7.2 त्रिभुजों की सर्वांगसमता 7.3 त्रिभुजों की सर्वांगसमता के लिए कसौटियाँ 7.4 एक त्रिभुज के कुछ गुण 7.5 त्रिभुजों की सर्वांगसमता के लिए कुछ कसौटियाँ 7.6 एक त्रिभुज में असमिकाएँ 7.7 पुनरावृति	1 5 5 4 4 1	आकृतियों की सर्वांगसमता को समझेंगे। त्रिभुज की सर्वांगसमता की शर्तों को समझता है। (ASA, SAS, SSS और RHS)
October	पहला दूसरा तीसरा				उपयुक्त शर्त (कसौटी) का उपयोग करके दो त्रिभुजों को एक दूसरे का सर्वांगसम सिद्ध करें एवं संबंधित प्रश्नों को हल करने के लिए CPCT का प्रयोग करता है। त्रिभुज की असमिकाओं को समझेंगे एवं संबंधित प्रश्नों को हल करता है।
कुल				20	
October	चौथा पांचवां	चतुर्भुज	8.1 परिचय 8.2 चतुर्भुज का कोण योग गुण 8.3 चतुर्भुज के प्रकार 8.4 समानांतर चतुर्भुज के गुण 8.5 समानांतर चतुर्भुज होने के लिए एक अन्य प्रतिबंध 8.6 मध्य बिन्दु प्रमेय 8.7 पुनरावृति	1 1 1 2 4 2 1	समानांतर चतुर्भुज के गुणों को पहचानता है एवं समझता है। मध्य बिन्दु प्रमेय को समझता है एवं सिद्ध करता है।
November	पहला				
कुल				11	
November	दूसरा तीसरा चौथा	समानांतर चतुर्भुजों और त्रिभुजों के क्षेत्रफल	9.1 परिचय 9.2 एक ही आधार पर एक ही समानांतर रेखाओं के बीच आकृतियाँ 9.3 एक ही आधार और एक ही समानांतर रेखाओं के बीच समानांतर चतुर्भुज 9.4 एक ही आधार और एक ही समानांतर रेखाओं के बीच स्थित त्रिभुज 9.5 पुनरावृति	1 4 6 2	एक ही आधार एवं एक ही समानांतर रेखाओं के मध्य स्थित आकृतियों को समझता है। एक ही आधार और एक ही समानांतर रेखाओं के मध्य स्थित चतुर्भुजों/त्रिभुजों के क्षेत्रफल बराबर होते हैं। इसे समझता है और प्रयोग करता है।
कुल				13	
November	चौथा पांचवां	वृत	10.1 परिचय 10.2 वृत और इससे संबंधित पद: एक पुनरावृत्योक्त 10.3 जीवा द्वारा एक बिन्दु पर अंतरित कोण 10.4 केब्ड से जीवा पर लंब 10.5 तीन बिन्दुओं से जाने वाला वृत 10.6 समान जीवाएँ और उनकी केब्ड से दूरियाँ 10.7 एक वृत के चाप द्वारा वृत के शेषभाग पर बनाए गए कोण बराबर होते हैं तथा केब्ड पर उपरोक्त कोण का दुगुना कोण समान चाप द्वारा बनता है समझता है।	1 1 1 3 2 5 2	एक वृत के चाप द्वारा वृत के शेषभाग पर बनाए गए कोण बराबर होते हैं तथा केब्ड पर उपरोक्त कोण का दुगुना कोण समान चाप द्वारा बनता है समझता है। वृत की जीवा केब्ड से खींचे गए लंब द्वारा समद्विभाजित होते हैं इसे सिद्ध करता है। चक्रीय चतुर्भुज में सम्मुख कोणों का योग 1800 होता है सिद्ध करता है एवं इसका उपयोग करता है।
December	पहला दूसरा				
कुल				15	

December	दूसरा तीसरा चौथा	रचनाएँ	11.1 परिचय 11.2 आधारभूत रचनाएँ 11.3 त्रिभुजों की कुछ रचनाएँ 11.4 पुनरावृत्ति	1 2 3 2	दिए गए कोण का समद्विभाजक खींचता है। विशिष्ट कोणों की रचना करता है। दिए गए त्रिभुज की रचना करता है।
कुल				8	
December	पांचवां	हीरोन का सूत्र	12.1 परिचय 12.2 त्रिभुज का क्षेत्रफल हीरोन सूत्र के द्वारा 12.3 चतुर्भुजों का क्षेत्रफल ज्ञात करने के लिए हीरोन सूत्र का अनुप्रयोग 12.4 पुनरावृत्ति	1 3 3 1	त्रिभुज का क्षेत्रफल हीरोन सूत्र का प्रयोग करके ज्ञात करता है।
January	पहला				
कुल				8	
January	दूसरा तीसरा चौथा पांचवां	पृष्ठीय क्षेत्रफल और आयतन	13.1 परिचय 13.2 घनाभ एवं घन के पृष्ठीय क्षेत्रफल 13.3 एक लंबा वृत्तीय बेलन का पृष्ठीय क्षेत्रफल 13.4 एक लंबवृत्तीय शंकु का पृष्ठीय क्षेत्रफल 13.5 गोले का पृष्ठीय क्षेत्रफल 13.6 घनाभ का आयतन 13.7 बेलन का आयतन 13.8 एक लंब वृत्तीय शंकु का आयतन गोले का आयतन 13.10 पुनरावृत्ति	4 4 4 4 4 3 4 3 2	घन, घनाभ, लंब, वृत्तीय बेलन, लेब वृत्तीय शंकु, गोला, अर्द्धगोला और त्रिमिन्न ठोस वस्तुओं के पृष्ठीय क्षेत्रफलों और आयतों के लिए सूत्रों का प्रयोग करता है एवं गणना करके संबंधित क्षेत्रफल और आयतन ज्ञात करता है। परिवेश में पाइ जाने वाली वस्तुओं को आकृति की पहचान करके सूत्रों का उपयोग करके क्षेत्रफल एवं आयतन ज्ञात करता है।
February	पहला दूसरा तीसरा				
कुल				32	
January	चौथा	सांख्यिकी	14.1 परिचय 14.2 आंकड़ों का संग्रह 14.3 आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण 14.4 आंकड़ों का आलेखीय निरूपण 14.5 केबीय प्रवृत्ति के माप 14.6 पुनरावृत्ति	1 4 5 3 2	आंकड़ों का आलेखीय निरूपण (टंड आलेख, आयातचित्र, बहुभुज) करता है तथा इन आंकड़ों का विश्लेषण करता है। दैनिक जीवन की स्थितियों को पहचान कर इन्हें वर्गीकृत करता है, जिनमें माध्य बहुलक और माध्यिका का उपयोग करता है।
February	पहला दूसरा तीसरा चौथा				
कुल					
February	चौथा पांचवां छठा	प्रायिकता	15.1 परिचय 15.2 प्रायिकता – एक प्रायोगिक दृष्टिकोण 15.3 पुनरावृत्ति	1 5 2	प्रयोग के आधार पर किसी घटना के होने की संभावना को ज्ञात करता है।
कुल				8	
कुल कालांश				194	
कुल कार्य दिवस				194	
कुल अंक				40	